Finding of Audit report of NCCF on purchase of Food item by NCCF, Patna Branch

1224. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 3169 given in the Rajya Sabha on the 19th August, 1988 and state:

(a) whether investigations into the irregularities committed by Patna Branch have been completed;

(b) if not, what is the present position stating the period by when investigation are likely to be completed; and

(c) what disciplinary action has been taken against the officials involved, in the cases of irregularities committed at Patna Branch of NCCF, which were brought out by the C & A. G. in its report?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI D.L. BAITHA): (a) and (b) The NCCF have reported that the vigilance investigations into irregularities committed by its Patna Branch in respect of purchase of potatoes and masoor chanti are in final stages of completion. The report is expected to be submitted within a period of one month.

(c) NCCF have reported that the irregularities of the Patna Branch as pointed out in the report of Comptroller and Auditor General were examined by its internal audit wing which had found out specific lapses in respect of potatoes business and purchase of masoor chanti only. Disciplinary action can be taken against the officer concerned only on the finalisa-tion of the investigations referred to in reply to parts (a) & (b) above.

सुपर बाजारों में सुरक्षा अधिकारी

1225. श्री सन्तोष बागड़ोदिया: क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली में सुपर बाजारों संख्या की कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि सभी सुपर बाजारों में सुरक्षा अधिकारी नहीं हैं;

(ग) सुपर बाजार में सुरक्षा अधिकारियों की कुल संख्या कितनी है और उनके कितने पद रिक्त पड़े हैं;

(घ) क्या यह भी सच है कि सुपर बाजार के मुख्य सुरक्षा अधिकारी का पद काफी समय से रिक्त पड़ा है; और

(ङ) यदि हां, तो इस पद के कब तक भर लिए जाने की संभावना है और उक्त पद को न भरे जाने के क्या कारण हैं?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० एल० बैठा): (क) इस समय दि कोआपरेटिव स्टोर लि०, नई दिल्ली, जो "सुपर बाजार" के नाम से लोकप्रिय है, चार क्षेत्रीय वितरण केन्द्रों के जरिए कार्य करता है। ये क्षेत्रीय वितरण केन्द्र कनाट प्लेस, आई० एन० ए०, पटेल नगर तथा त्रिलोकपुरी में स्थित हैं। यह समिति 117 शाखाएं भी चला रही है, जो शहर के विभिन्न भागों में स्थित हैं। इन शाखाओं में दवाइयों के 18 खुदरा बिक्री केन्द्र भी शामिल है ।

(ख) जी हां।

(ग) इस समय सुपर बाजार मे एक सुरक्षा अधिकारी है । सुरक्षा अधिकारियों के दो पद रिक्त हैं।

(घ) और (ङ) मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पदधारी का चयन किया जा चुका है । पुलिस मुख्यालय, दिल्ली से संबंधित अधिकारी (दिल्ली पुलिस में निरीक्षक) को शीघ्र कार्यमुक्त करने का अनुरोध किया गया है, ताकि वह सुपर बाजार में प्रतिनियुक्ति आधार पर मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर सके।

उत्तर प्रदेश में बीड़ी मजदूर

1226. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश मे वर्तमान मे कुल कितने बीड़ी मजदूर हैं;

(ख) क्या इन मजदूरों को मकान बनाने के लिए कर्ज देने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो योजना का पूरा ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या ऐसी कोई योजना बनाई जायेगी?

श्रम मंत्रालय में उपमंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री राधाकृष्ण मालवीय): (क) उत्तर प्रदेश में बीड़ी कर्मकारों की संख्या 4.50 लाख सूचित की गई है।

(ख) और (ग) इन योजनाओं के अंतर्गत-बीड़ी कर्मकारों के लिए "अपना मकान स्वंय बनाओ" और "ग्रुप आवास योजना"—प्रति मकान सहायता के रूप में 1000/- रू० और ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 6000/- रू० की मंजूरी का प्रावधान रखा गया है। यह ऋण नौ साल की अवधि में वसूल किया जाता है। "अपना मकान स्वंय बनाओ" योजना के अंतर्गत लाभ प्रत्येक बीड़ी कर्मकार को उपलब्ध हैं। बीड़ी कर्मकारों के लिए "ग्रुप आवास योजना" के अंतर्गत लाभों के लिए बीड़ी उद्योग के कम से कम 50 कर्मकारों द्वारा बनाई गई पंजीकृत सहकारी ग्रुप आवास सोसाइटी पात्र है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Fraudulent use of Bureau of Indian Standards Marks for spurious products

1227. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether several manufacturers of spurious products are making fraudulent use of the marking of Bureau of Indian Standards; and

(b) if so, the steps taken by Government to prevent this misuse?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI D. L. BAITHA): (a) Cases of some such manufacturers of spurious products making fraudulent use of BIS Standard Mark have come to the notice of Bureau of Indian Standards.

(b) 17 legal cases, in the matter of fraudulent use of BIS Standard Mark, have been instituted by the Bureau of Indian Standards (BIS) since 1-4-1986. While punishment has been awarded in 10 cases, 7 cases are still pending in the concerned Courts. The Bureau of Indian Standards Act, 1986, which was brought into force with effect from 1-4-1987, now provides enhanced penalties under Section 33 of that Act. Any person who contravenes the provisions of Section 11 or Section 12 or Section 14 or Section 15 of this Act, can be awarded punishment by the competent Court with imprisonment for a term which may extend to one year or with fine which may extend to fifty thousand rupees or with both.

Agitation by engineering Staff of AIR and Doordarshan

1228. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the engineering staff of AIR and Doordarshan have resorted to an agitation recently; and

(b) if so, the reasons for the agitation and the steps taken by Government to redress their grievances?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) Yes, Sir.

(b) The agitation by a section of engineering staff was for cancellation of the